साफ जल – सुरक्षा हर पल

Doctorguard

Doctorguard

CHANGE YOUR WATER
CHANGE YOUR LIFE

DOCTORGUARD WATER
REALIZING TRUE HEALTH

IT'S NOT A WATER IT'S A MIRACLE WATER

"Hydration is Key to a Vibrant and Healthy Lifestyle."

INDIA'S First Android Alkaline Water Ionizer with 7" Android Display

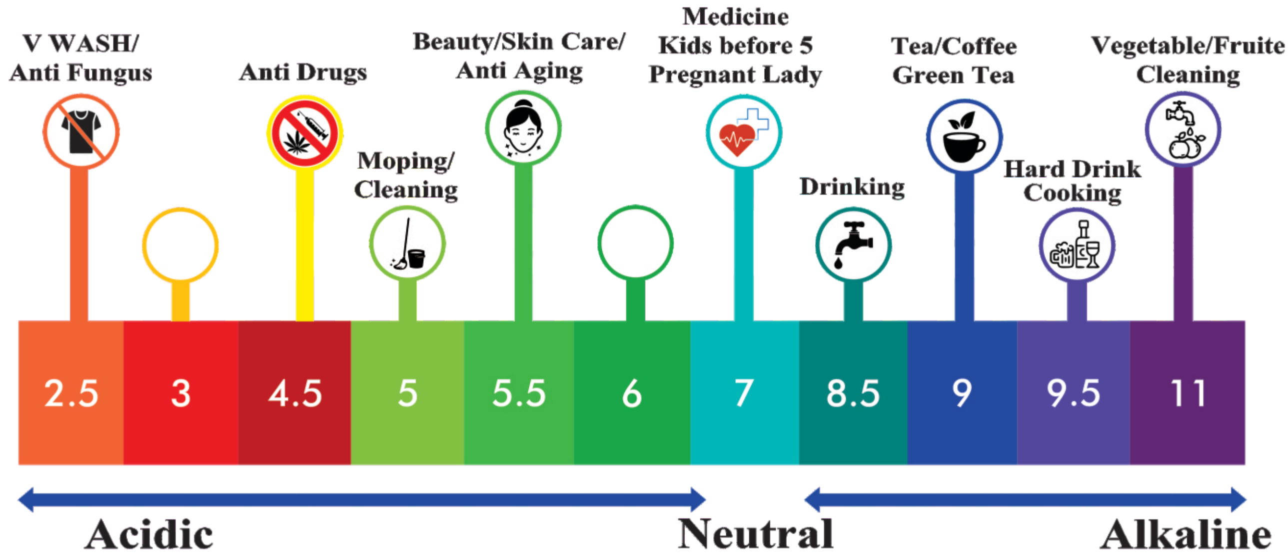

9 Types of Water Makes Your Body, Life & Your Environment Healthy & Beautiful

Sanitary Water (2.5pH)

- Strong acidic water has excellent disinfecting power.
- Kill Microbes Sterilize Foodstuff, Dishes and cookware.
- To Sanitize your Knives, Cutting Boards, Dish Towels, Moop.
- To Disinfect your Toothbrushes.
- To Clean your Skin Facial Lifting / Tightening.
- Prevent Root Canals, Kills Candida, Nail Fungus, Sore Throat Moles & Warts.
- Acne, Eczema & Psoriasis.

Water for beauty (4.5 to 6.0pH)

Mild Acidic Water used for Beauty

Acidic water is recognized to have an effect to Tone your Skin, Facial Cleaner, Antiperspirant, Diaper Rashes.

For Cleaning & Watering Plants

For Moping Floor, Glasses, Tiles, Hardwood Floor, Clean Lenses.

Water of security (7.0pH)

When taking Medication or in Baby food formula

The three-layered, high powered, water-cleaning filter removes not only chlorine but also matters such as rust, impurities, and lead.

YOU ARE WATER

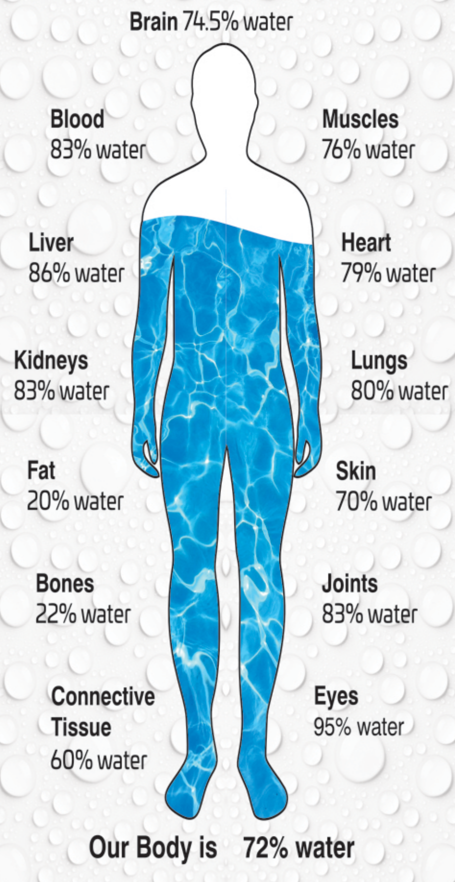

Healthy water (8.5/9/9.5pH)

Doctorguard water makes your drinking water and dishes delicious.

- Use for Drinking, Forms Saliva.
- Balance body pH, Transporting Nutrition.
- Boost Immunity, Generate Energy .
- Anti-oxidant, Lubrication of Joint.
- To use for Cooking Food & Rise,
- Making Coffee, Green Tea
- Generates Energy.
- Soups and Stews.
- Use for Balancing Vegetables.

Environment friendly water (11.5pH)

Strong Doctorguard water, which is certainly water but has a strong cleaning effect as a detergent, preserves hygiene in your daily life.

- To clean pesticides from fruits & veggies.
- To help Allergies & cold Symptoms,
- Indigestion
- Arthritis
- Gout
- Chemo
- Hangovers & Migranes
- Make-up remover, Loundry

Doctorguard

INDIA'S First Android Alkaline Water Ionizer with 7" Android Display

---

5, 7, 9, 11, Titanium Plates with Platinum Coated Japanese Technology, Make In India.

CERTIFICATES

अपना पानी बदलिए... अपनी जिंदगी बदलिए...

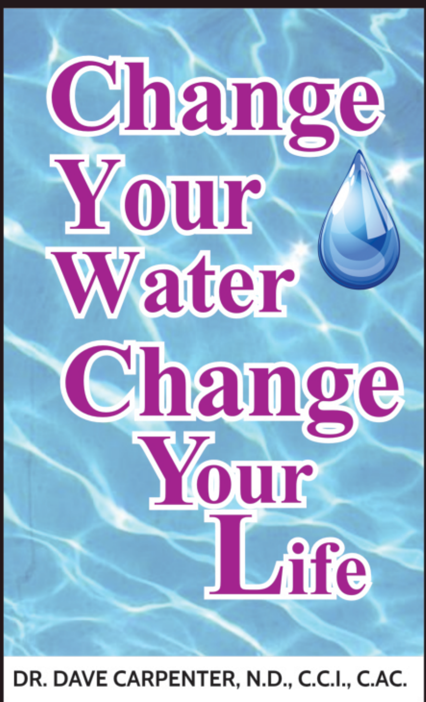

अगर आप मछली पालने के शौकीन है तो आप भली-भांति जानते होंगे कि जब भी आपको आपके घर पर मौजूद फिश एक्वेरियम मैं पाई जाने वाली मछलियां कुछ सुस्त-सी, बीमार-सी दिखती है तब आप क्या करते हो, क्या उन्हें किसी केमिस्ट के पास ले जाते हो या उन्हें कोई मेडिसिन देते हो या फिर उस एक्वेरियम का पानी बदलते हो... निश्चित ही आप इक्वेरियम का पानी बदलते हो और आप देखते हो कि कुछ ही समय में मछली वापस तरोताजा और फुर्तीली हो जाती है. लेकिन आप अपने साथ क्या करते हो जब भी आप बीमार पढ़ते हो आप गोली खाते हो तो फिर मछली को गोली क्यों नहीं देते क्योंकि गोली के द्वारा चिकित्सा नहीं हो सकती.

शरीर के वह सभी अवयव जैसे हमारा लीवर, बड़ी आत, किडनी, गाल ब्लैडर, फेफड़े तथा हमारे शरीर की चमड़ी जो पसीना शरीर से बाहर कर सकती है, इन सभी अवयवों को हमारे शरीर से गंदगी बाहर फेंकने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है अगर इन्हें उचित मात्रा में पानी नहीं मिला तो हमारे शरीर के अंदर कचरा इकट्ठा होने लगता है जो हमारे सेल्स को घेर लेता है हमारा शरीर सुस्त पड़ जाता है और इसी को हम डिहाइड्रेशन कहते हैं. Ionized पानी शरीर को पूरी तरह से हाइड्रेट करने का एक बेहतरीन विकल्प है.

- डॉक्टर डी. कारपेंटर

कैंसर के मूलभूत कारणों को खोजा और पूरी दुनिया को यह बताया कि कैंसर के सेल बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकते हैं एवं खुद का विकास कर सकते हैं. इन्होंने कई खोजें की जिसमें की रेस्पिरेट्री एंजाइम के स्वभाव एवं उसकी कार्यप्रणाली पर की गई खोज के कारण इन्हें सन 1931 में नोबेल प्राइज से नवाजा गया. इन्होंने शरीर में होने वाले ट्यूमर पर भी काफी शोध किए है और इस नतीजे पर पहुंचे की कैंसर के सेल्स ऑक्सीजन से भरपूर वातावरण में जिंदा नहीं रह सकते वह ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर मर जाते हैं.

- डॉ. ओटो हेनरिच वारबर्ग

अस्थमा की रोकथाम में भी यह पानी काफी फायदेमंद है

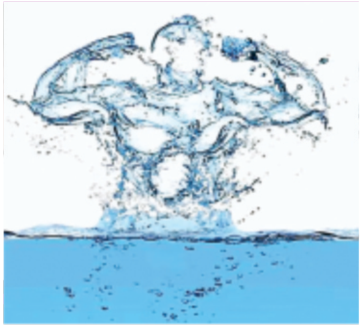

आयुर्वेद कहता है कि आपके फेफड़े केवल और केवल रक्त धातु से बने हैं. हमारे रक्त में 85% पानी होता है. IONIZED पानी से फेफड़ों का विकास संभव है, क्योंकि साधारण पानी फेफड़ों को हाइड्रेट नहीं कर पाता जबकि IONIZED पानी सूक्ष्म होने के कारण एवं हाइड्रोजन से भरपूर होने के कारण फेफड़ों के सेल्स में आसानी से पहुंच कर फेफड़ों की क्षमता में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि करता है.

डॉक्टर बॉटमेनझी के अनुसार अस्थमा का मूल कारण ही फेफड़ों का डिहाइड्रेटेड होना है. IONIZED REDUCED पानी ना केवल फेफड़ों को हाइड्रेट करता है अपितु उनकी कार्य क्षमता को भी बढ़ाता है जिसके कारण हमारी स्वास्थ्य स्वास विश्वास की गति नियंत्रित होती है और हमारी आयु बढ़ती है, हम दीघार्यु होते हैं.

एल्कलाइन पानी और एल्कलाइज्ड पानी में

क्या कोई अंतर है?

सामान्य पानी को एल्कलाइन बनाया जा सकता है उसमें खीरा नींबू बेकिंग सोडा डालकर एक सामान्य पानी को अल्कलाइन बनाया जा सकता है. लेकिन जब भी हम इस प्रकार से पानी के अंदर मिनरल्स को डालते हैं तो हम पानी के संतुलन के साथ छेड़छाड़ करते हैं . इस प्रकार का पानी भारी होने के कारण और बड़ा होने के कारण हमारे सेल्स में प्रवेश नहीं कर पाएगा और हमारा शरीर डिहाइड्रेटेड ही रहेगा.

वहीं दूसरी ओर अल्कलाइज पानी क्योंकि इलेक्ट्रोलिसिस से बना है इसलिए यह पानी छोटा है हमारे सेल्स में तुरंत प्रवेश करने की क्षमता रखता है इस पानी का सरफेस टेंशन हमारे सेल के सरफेस टेंशन से कम होता है इसलिए यह पानी तुरंत सेल्स में चला जाता है. इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के दौरान पानी में से हाइड्रोनियम आयन (H_3O^+) को निकाल दिया जाता है जिसके कारण पानी में केवल हाइड्रोसिल आयन (OH^-) बचता है जिसके कारण यह पानी अल्कलाइज हो जाता है बिना किसी केमिकल के प्रयोग से....

तो फिर आप कौन-सा पानी पीना चाहेंगे एल्कलाइन पानी या फिर एल्कलाइज्ड पानी...

हाइड्रोजन एक एंटीऑक्सीडेंट की भूमिका मे..

इस मशीन से निकला हुआ पानी हाइड्रोजन से भरपूर होता है इसे हम मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन भी कहते हैं इसे पीपीएम में नापा जाता है. यह मॉलिक्यूलर हाइड्रोजन एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट माना गया है. इसे स्ट्रैटेजिक एंटी ऑक्सीडेंट भी कहते हैं.जब भी हम रेशेदार भोजन करते हैं या यूं कहें कि फाइबर युक्त भोजन करते हैं तब शरीर में उस भोजन के द्वारा अंततः हाइड्रोजन का ही निर्माण होता है ,पर जो लोग रेशेदार भोजन नहीं करते और नियमित रूप से पका हुआ भोजन ही करते हैं जिसे ऑक्सिडाइज्ड भोजन कहा जाता है, तो ऐसे व्यक्तियों के शरीर में हाइड्रोजन का निर्माण लगभग असंभव हो जाता है और ऐसी अवस्था में जो फ्री रेडिकल्स होते हैं जो की हानिकारक तत्व माने गए हैं हमारे शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण उत्पन्न होते हैं और यह हमारे सेल्स को डैमेज करते हैं. हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं और क्योंकि हम प्रचुर मात्रा में आवश्यक हाइड्रोजन नहीं लेते या रेशेदार भोजन का उपयोग नहीं करते तो ऐसी सूरत में शरीर एंटीऑक्सीडेंट बनाना कम कर देता है या फिर यूं कहें कि शरीर की एंटी ऑक्सीडेंट उत्पादन की क्षमता में गिरावट आती है.

ए९सी अवस्था में जब हम इस प्रकार का हाइड्रोजन से भरपूर पानी पीते हैं तो हमारे शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स पानी में रूपांतरित होकर पेशाब के रास्ते निकल जाते हैं और इसी कारण हमारा शरीर तेजोमय और कांतिमय दिखने लगता है. चेहरे पर एक अलग ही चमक आ जाती है, इसी हाइड्रोजन के कारण शरीर के सॉफ्ट पार्ट्स जैसे स्प्लीन, लिवर, किडनी में जमा टॉक्सिन धीरे-धीरे निकलने लगते हैं और हमारा शरीर डीटॉक्सिफाई होने लगती है. शरीर के अंगों में यदि किसी प्रकार की सूजन या दर्द हो तो वह कम होने लगती है. क्योंकि हाइड्रोजन सूजन को कम करने में माहिर है.

इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया क्या है?

पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को विद्युत के द्वारा अलग करना ही इलेक्ट्रोलिसिस कहलाता है. पानी में से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को अलग करना कोई हंसी खेल नहीं है ,इसमें जबरदस्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है जो हमें विद्युत के द्वारा इस मशीन में मौजूद ट्रांसफार्मर की मदद से मिलती है. इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद मिनरल्स जैसे कैल्शियम मैग्नीशियम इत्यादि भी हाइड्रोजन के साथ-साथ कैथोड पर आ जाते हैं जिसे हम पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं इसी कारण इसको कैथोडिक वाटर भी कहा जाता है. इस प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद कैल्शियम और मैग्नीशियम का रूपांतरण कैल्शियम हाइड्राइड एवं मैग्नीशियम हाइड्राइड में हो जाता है जो हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं. इसी कारण इस पानी को पीने से हमारी बोन डेंसिटी भी बढ़ती है और ऑस्टियोपोरोसिस में हमें विशेष लाभ प्राप्त होता है. मशीन की संरचना कुछ इस प्रकार से की गई है कि इलेक्ट्रोलिसिस की प्रक्रिया के दौरान पानी में मौजूद अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड गैस भी निकल जाती है जिस कारण से पानी का स्वाद अच्छा लगने लगता है. इस मशीन में मौजूद एक विशेष फिल्टर के कारण पानी में मौजूद क्लोरीन भी हम तक नहीं पहुंचता वरन नीचे से निकाल दिया जाता है अर्थात हमारा पानी क्लोरीन रहित होता है तथा पानी में मौजूद ईकोलाई बैक्टीरिया भी हम तक नहीं पहुंच पाता और हमारा पानी इस बैक्टीरिया से भी रहित होता है. यह इस विशेष फिल्टर का कमाल है.

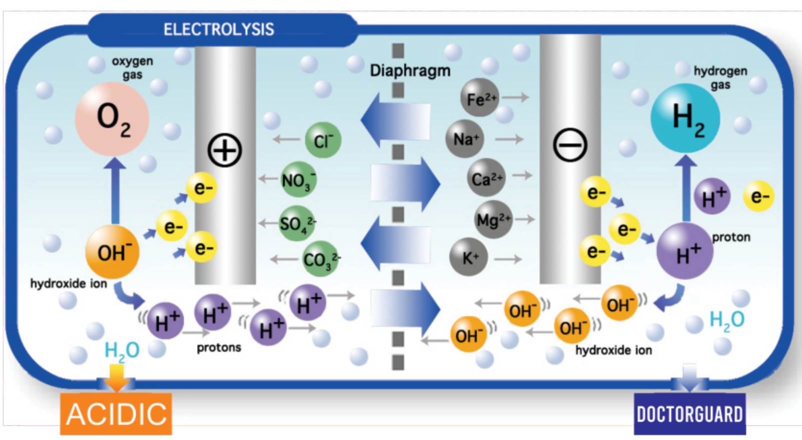

84 लाख योनियों में अकेला मानव ही ऐसा है

जिसे यह समझना है

भोजन कौन-सा सही है... उसे क्या खाना चाहिए ...क्या नहीं!

मानव के अलावा सभी जीव जंतु वही भोजन लेते हैं जो प्रकृति ने उन्हें दिया है लेकिन मानव ही एक ऐसा प्राणी है जो यह नहीं समझता कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं अपितु कुछ भी खा लेता है.

तो हम यह जानना चाहते हैं कि हमारा भोजन कैसा होना चाहिए तो उसके लिए हमें यह समझना होगा कि ब्रह्मांड के अंदर 70 से 80% पानी है. उसी प्रकार हमारा शरीर भी ब्रह्मांड की तरह ही है जिसमें 70 से 80% पानी है और 20 से 30% हड्डी मास आदि है. इसका मतलब हमारे शरीर को चलाने वाला भोजन ऐसा होना चाहिए जिसमें 70 से 80% पानी हो. अब ऐसा भोजन कौन सा है तो हम देखते हैं की फल एवं सब्जियां पानी से लबालब है और एल्कलाइन भी है. इनका 70% से 80% पानी ही है.

एल्कलाइन डाइट को थोड़ा और बेहतर तरीके से समझते हैं...

इस पृथ्वी पर दो प्रकार के पौधे हैं एक पौधा तो अच्छा हरा भरा है पत्तियां भी हैं फूल भी हैं फल भी है वहीं दूसरी और हम देखते हैं कि दूसरा पौधा एकदम सूख गया है. इस सूखे पौधे को हम पानी देना शुरू करते हैं और कुछ ही दिनों में देखते हैं कि यह पौधा भी हरा भरा हो गया है इसके टहनियों में वही लचक वापस आ गई है.

तो हमने क्या किया..... क्या हमने सूखे हुए पौधे को किसी केमिस्ट की दुकान पर भेजा या फिर इसे कोई विटामिन मिनरल्स के सप्लीमेंट दिए हमने कुछ नहीं किया.

तो हमने यह सीखा की मिट्टी और पानी के मिश्रण से सूखा हुआ पौधा वापस हरा भरा हो गया अकेली मिट्टी थी तब पौधा सूखा था और अकेला पानी भी किसी काम का नहीं था मिट्टी और पानी का मिश्रण पौधे को नया जीवन दे गया. विटामिंस और मिनरल्स तो मिट्टी के अंदर पहले से ही थे फिर भी पौधा सूख गया क्योंकि पानी नहीं था.

जब ईश्वर ने मानव को बनाया होगा तो शायद उसने भी यही सोचा होगा कि मानव की जड़ के अंदर भी मिट्टी और पानी का मिश्रण होना चाहिए क्योंकि मानव मिट्टी तो खाएगा नहीं इसलिए इस मिट्टी और पानी के मिश्रण से ढेर सारी सब्जियां एवं फल तैयार हुए. लेकिन मानव ने ईश्वर द्वारा बनाई गई इस खूबसूरत व्यवस्था का दुरुपयोग किया. मानव ने फल एवं सब्जियां जोकि अल्कलाइन भोजन है इससे किनारा कर लिया.

हम दिन भर में कैसा भोजन करते हैं?

अगर मैं बात करूं तो सुबह का हमारा भोजन पोहा, उपमा, इडली, ब्रेड, कचोरी, समोसा इत्यादि....

यदि दोपहर के भोजन की बात करूं तो दाल भात रोटी सब्जी

फिर शाम के समय चाय के साथ बेकरी आइटम्स बिस्किट इत्यादि

यदि रात्रि भोजन की बात करें तो पुनः रोटी सब्जी परांठे इत्यादियदि मैं आपसे सवाल करूं यह 4 बार खाया गया भोजन अल्कलाइन है कि एसिडिक तो आपका क्या जवाब होगा... निश्चित ही है भोजन एसिडिक है.

एसिडिक भोजन करते करते 30 से 40 वर्षों में यह मानव शरीर

ठीक उसी प्रकार अकड़ जकड़ जाता है जैसे यह सुखा हुआ पौधा. मनुष्य के घुटनों का ग्रीस खत्म हो जाता है ,उसकी कमर में दर्द प्रारंभ हो जाता है, उसका कंधा जकड़ जाता है जिसको हम फ्रोजन शोल्डर कहते हैं, उसको सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस भी हो जाता है .

शरीर में पथरी क्यों हो जाती है
क्या तुम पत्थर खाते हो?

जिस प्रकार पानी की कमी से पौधा सूख जाता है मिट्टी पत्थर में बदल जाती है उसी प्रकार जब हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है तो यही बार बार खाया हुआ एसिडिक भोजन पत्थर के रूप में हमारे शरीर में, हमारी किडनी में, हमारे गाल ब्लैडर में और हमारे लीवर में जमा हो जाता है. हमारे शरीर के सारे नरम अवयव जैसे हमारी किडनी, हमारा लीवर या तो सिकुड़ जाते हैं या फिर कड़क हो जाते हैं या फिर उन में सूजन आ जाती है. बार-बार खाया हुआ एसिडिक भोजन शरीर को बीमार बना देता है .सूखे हुए पौधे को जिस प्रकार मिट्टी और पानी का मिश्रण चाहिए ठीक उसी प्रकार हमारे सूखे हुए शरीर को भी मिट्टी और पानी का मिश्रण चाहिए जिसे हम अल्कलाइन डायट कहते हैं जो हमें फलों एवं सब्जियों से मिलती है.

अभी तक के मेरे अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि मैंने अनेक कैंसर रोगियों को केवल प्राणायाम के माध्यम से रोग मुक्त किया है. कई लोगों के ब्रेन ट्यूमर ठीक हुए हैं .कई रोगियों को ब्लड कैंसर ,ब्रेस्ट कैंसर, पेनक्रिएटिक कैंसर, लिवर कैंसर, लंग कैंसर पॉलीसिस्टिक ओवरीज केवल और केवल प्राणायाम करने से अद्भुत लाभ मिला है. प्राणायाम करने से हमारे फेफड़ों में भरपूर ऑक्सीजन प्रवेश करती है और कैंसर के सेल्स ऑक्सीजन से भरपूर इस वातावरण में ज्यादा देर जीवित नहीं रह सकते और मर जाते हैं. आप मेरी बात माने तो कपालभाति एक प्रकार की नेचुरल कीमोथेरेपी है. प्राणायाम करने से शरीर की अल्कलिनिटी बढ़ जाती है यहां तक कि हमारी पेशाब का पीएच तेजी से एसिडिक से अल्कलाइन की ओर बढ़ता है और यह पूरी तरह से वैज्ञानिक है. कोई भी इसे करके देख सकता है. प्राणायाम करने से लोगों का बढ़ा हुआ क्रिएटनीन लेवल तथा बढ़ा हुआ प्रोस्टेट तक कम होते देखा गया है जो वास्तव में अद्भुत है. प्राणाायाम से शरीर के सारे सिस्टम आर्डर में आ जाते हैं, अलाइन हो जाते हैं तब फिर शरीर में मौजूद सारे डिसऑर्डर चले जाते हैं. ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम हो जाता है. - **बाबा रामदेव**

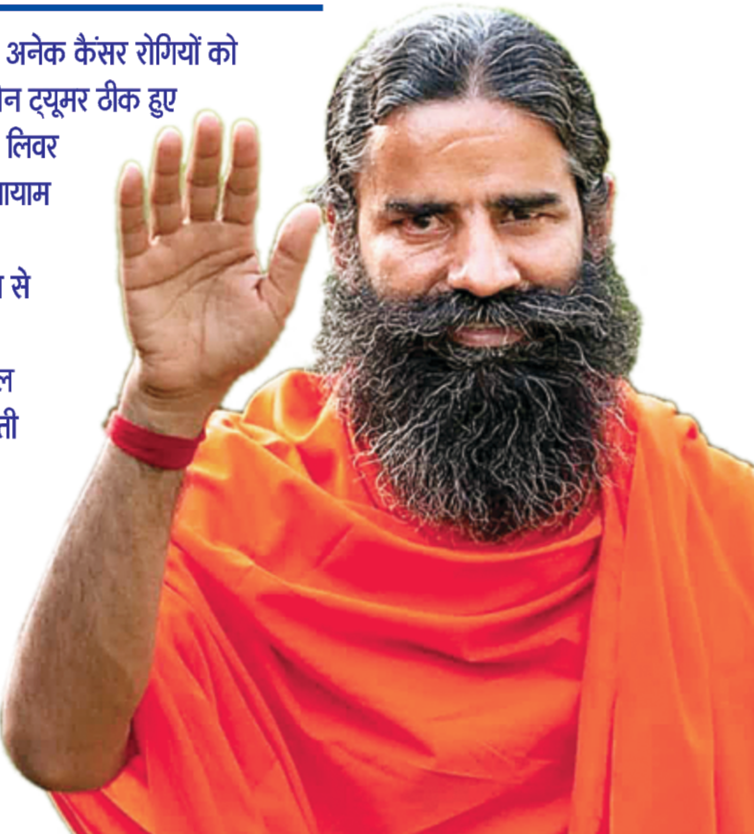

आपके हृदय के लिये मददगार 10.5 और 11.5 PH का डॉक्टरगार्ड एल्कलाइन पानी

डॉक्टरगार्ड मशीन द्वारा निकलने वाला 10.5 और 11.5 पीएच का पानी एक बेहतरीन **Emulsifier** है जो तेल को तोड़ने में पूरी तरह सक्षम है. इसको साबुन का पानी भी कहते हैं .जिस प्रकार साधारण पानी कपड़ों पर मौजूद जिद्दी दाग को नहीं निकाल सकता लेकिन साबुन के साथ मिलकर यह काम वह बखूबी कर लेता है ठीक उसी प्रकार आप जो साधारण पानी पीते हैं वह आपके शरीर में जमी हुई चिकनाई को नहीं निकाल सकता लेकिन 10.5 और 11.5 पीएच का पानी जिसे हम साबुन का पानी भी कहते हैं , आपके शरीर में मौजूद गंदगी को निकाल बाहर फेकता है . आपकी बड़ी आत में मौजूद पुराना से पुराना मल इस पानी के संपर्क में आने पर गल जाता है और आपके शरीर से बाहर निकल जाता है जो अनेक रोगों का कारण है . यह अद्भुत पानी आपके शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल एवं ट्राइग्लिसराइड के स्तर को भी आश्चर्यजनक रूप से कम करने में सक्षम है .10.5 और 11.5 पीएच का पानी एक उत्तम पेस्टिसाइड है जो आपके किचन में मौजूद चावल दाल सब्जी और फलों में से पेस्टिसाइड को निकाल बाहर करता है और उनमें हाइड्रोजन की आपूर्ति करता है .

क्या आप जानते है

हृदय में कभी कैंसर क्यों नहीं होता?

आपने अनेक प्रकार के कैंसर सुने होंगे जैसे - आंतों का कैंसर ,फेफड़ों का कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर , रेक्टल कैंसर ब्रेस्ट कैंसर, मुंह का कैंसर इत्यादि ' लेकिन कभी आपने सुना है कि किसी इंसान के **heart** में कैंसर हुआ हो ' जब वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया तो पता चला कि हमारे हृदय में बहने वाला खून का एक निश्चित वोल्टेज होता है और यह वोल्टेज होता है-**120 mv.**जैसे-जैसे यह वोल्टेज कम होता जाता है वैसे वैसे हमारा शरीर बीमार होता जाता है .-**90 mv** तब तो हमारा शरीर नए सेल्स का निर्माण करता रहता है लेकिन जब यह वोल्टेज- 50 के भी नीचे चला जाता है तब शरीर में धीरे-धीरे रोग पनपने लगते हैं और शरीर नए सेल्स बनाने की क्षमता खो देता है . कंगन पानी आपको देता है-

250 mv से-**800 mv**

का पानी जो आपके शरीर की सारी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है . सारा दिन आपको ऊजार्वान बनाए रखता है .

क्या पानी का भी कोई आकार होता है तो यह बनता कैसे है?

पानी हमेशा ऊपर से नीचे की ओर बहता है. जैसे कि- झरने से नदी में गिरता है या ग्लेशियर से नदी में गिरता है तो ऐसी सूरत में पानी बार-बार चट्टानों से और पत्थरों से टकराता है, जब पानी इन चट्टानों से टकराता है तो वह टूटता है और उसका एक आकार बनता है और यह होता है hexagonal. पानी का यह आकार 5 मीटर तक रहता है इसके बाद फिर इसका आकार बदलता है पर क्योंकि पानी बार-बार नदी में मौजूद पत्थरों से चट्टानों से, टकराता रहता है तो इसका आकार बार-बार बदलता है और हर बार यह आकार हो जाता है hexagonal. हमारे शरीर को इसी प्रकार के आकार का पानी अवशोषित करने में सुविधा होती है. गलत आकार का पानी शरीर मैं मौजूद सेल्स में घुस नहीं पाता और सेल्स की बाहरी दीवार पर ही घुसने के लिए संघर्ष करता रहता है जिससे कि हम पानी पीने के बावजूद भी ही डिहाइड्रेटेड (प्यासे) महसूस करते हैं.

आपके घर के पानी का आकार क्यों बदल जाता है?

शहरों में जो पानी पहुंचता है वह पानी संचित किया हुआ पानी होता है. आजकल हम देखे हैं कि हर नदी के ऊपर डेम बना दिए जाते हैं जहां पानी जमा होता है यह पानी फिर फिल्टर स्टेशन के द्वारा शहरों तक पहुंचता है जहां प्रत्येक कॉलोनी में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की एक बड़ी पानी की टंकी होती है फिर वहां इस पानी को जमा किया जाता है, वहां से यह पानी आपके घरों में पहुंचता है जहां आप एक बार फिर उसको आपके घर की टंकी में स्टोर करते हैं नीचे... और फिर एक बार पुनः आप मोटर से इस पानी को आपके घर की छत पर बनी हुई टंकी में चढ़ा देते हैं. मतलब पानी को बार-बार जमा किया जाता है, यह बहता हुआ पानी नहीं है इसीलिए इस पानी का आकार विकृत हो जाता है. गांव की स्थिति तो और भी बदतर है गांव के लोग तो ट्यूबवेल का पानी पीने के लिए मजबूर है, क्योंकि जो गांव नदी से दूर हैं, वहां पर नदी का पानी पहुंचाने की कोई भी ठोस व्यवस्था नहीं है. इसीलिए जो गांव नदी के तट पर बसे हैं वह हमेशा फायदे में रहेंगे, क्योंकि उन्हें हमेशा ताजा और बहता हुआ पानी पीने के लिए मिलेगा जो उनके शरीर पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा.

किलिंग कैंसर नॉट पीपल

जो लोग क्लोरीन युक्त पानी पीते हैं उनमें कैंसर होने की संभावना 93 प्रतिशत है बनिस्बत उन लोगों के जो क्लोरीन युक्त पानी नहीं पीते. अधिकतर नलों में जो पानी आता है उसमें फ्लोराइड पाया जाता है. यह फ्लोराइड एक बाय प्रोडक्ट है जो हमें एल्युमिनियम उद्योग से मिलता है, यह एक प्रकार का जानलेवा जहर है. यह हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी तेजी से कम करता है. साधारण पानी सामान्यतः एसिडिक होता है इसमें एंटी ऑक्सीडेंट की मात्रा शून्य होती है. हमारे शरीर को हाइड्रेट करने में इसे बड़ा संघर्ष करना पड़ता है

शरीर में अल्कलिनिटी बढ़ाने से शरीर में हो रहे ऑक्सीडेशन में कमी आती है. ऑक्सीडेशन के कारण फ्री रेडिकल्स का निर्माण होता है जिसके कारण हमारे शरीर में हेपेटाइटिस, सिरोसिस, डायबिटीज, पेनक्रिएटिक, नेफ्राइटिस लीवर का कैंसर तथा किडनी का कैंसर जैसी घातक बीमारियों का निर्माण होता है...

डॉक्टर बॉटमेनझ़ी

हमारे रक्त में 94 प्रतिशत पानी होता है यदि हमारा शरीर पूरी तरह से हाइड्रेटेड है तो. हमारे रक्त में मौजूद लाल रक्त कण और कुछ नहीं है वरन पानी की थैलियां है जिसमें रंगीन हिमोग्लोबिन पाया जाता है जब भी हमारे शरीर के किसी अंग में दर्द होता है तो यह पाया गया है कि उस अंग में मौजूद सेल्स में एसिड का संचय होने लगता है जो एक प्रकार की महत्वपूर्ण सूचना है जो हमारा शरीर हमें देता है कि वह तेजी से डिहाइड्रेट हो रहा है.

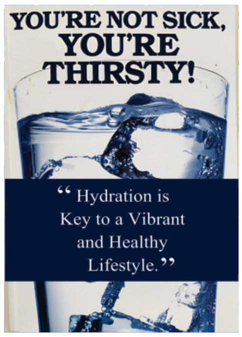

- **डॉक्टरगार्ड पानी का नियमित सेवन आपको मोटापे से मुक्ति दिला सकता है.**
- **आपका शरीर अपने आप को स्वयं दुरुस्त करने में सक्षम है.**
- **बे खबरी आप को बीमार कर सकती है.**
- **कैल्शियम सप्लीमेंट एवं दुग्ध उत्पाद वास्तविकता में आपको ओस्टियोपोरोसिस की ओर ले जा सकते हैं.**
- **मेडिकेशन अक्सर आपको बीमार बनाता है.**
- **किसी भी प्रकार के एंटासिड आपके पेट को बदतर स्थिति में ले जा सकते हैं.**

DOCTORGUARD ALKALINE WATER IONIZER

HYBRIDE TP - 11 PLATES
MRP : 2,75,000

- Screen Touch
- Hydrogen-Rich Water
- Antioxidant Properties
- Micro-Clustered Water
- Alkalized Water
- Ionized Water
- Off Button
- Pump Inbuilt

Specifications

- Input Power	: 230V
- Electrolyzing Power	: 0-450 W
- Standby Power	: 24V DC, 3A
- Function Settings:	-Low / Medium / High
- Net Weight	: 13 kg
- Plate Dimensions	: 100 x 50 mm
- Body Size	: 514 x 322 x 510 cm
- Screen	: 4.3 Inch Screen Touch Display
- Number of Plates	: 7 Plates
- pH Levels	: pH 7.5 / pH 8.5 / pH 9.5 Alkaline Water pH 6.5 / pH 5.5 / pH 4.5 Acidic Water
- ORP Level	: Above -500 Mv
- Power Supply	: Advance SMPS
- Input TDS	: Less than 100 TDS

HYBRIDE - 7, 9 PLATES
MRP : 2,24,900

- Screen Touch
- Hydrogen-Rich Water
- Antioxidant Properties
- Micro-Clustered Water
- Alkalized Water
- Ionized Water
- Off Button

Specifications

- Input Power	: 230V
- Electrolyzing Power	: 0-450 W
- Standby Power	: 24V DC, 3A
- Function Settings:	-Low / Medium / High
- Net Weight	: 6 kg
- Plate Dimensions	: 100 x 50 mm
- Body Size	: 18 x 27 x 33 cm
- Screen	:: 7 Inch Screen Touch Display
- Number of Plates	: 7 Plates
- pH Levels	: pH 7.5 / pH 8.5 / pH 9.5 Alkaline Water pH 6.5 / pH 5.5 / pH 4.5 Acidic Water
- ORP Level	: Above -500 Mv
- Power Supply	: Advance SMPS
- Input TDS	: Less than 100 TDS

PREMIUM - 7 PLATES
MRP : 2,14,900

- Push Button Control
- Hydrogen-Rich Water
- Antioxidant Properties
- Micro-Clustered Water
- Alkalized Water
- Ionized Water
- Off Button

Specifications

- Input Power	: 230V
- Electrolyzing Power	: 0-300W
- Standby Power	: 24V DC, 3A
- Function Settings:	-Low / Medium / High
- Net Weight	: 5 kg
- Plate Dimensions	: 80 x 40 mm
- Body Size	: 38 x 34 x 18 cm
- Screen	: Graphical Display: 64x13 mm
- Number of Plates	: 7 Plates
- pH Levels	: pH 7.5 / pH 8.5 / pH 9.5 Alkaline Water pH 6.5 / pH 5.5 / pH 4.5 Acidic Water
- ORP Level	: -50 to -200
- Power Supply	: Standard SMPS
- Input TDS	: Less than 100 TDS

SUPREME - 9 PLATES
MRP : 1,50,000

- Push Button Control
- Hydrogen-Rich Water
- Antioxidant Properties
- Micro-Clustered Water
- Alkalized Water
- Ionized Water
- Off Button

Specifications

- Input Power	: 230V
- Electrolyzing Power	: 0-300W
- Standby Power	: 24V DC, 3A
- Function Settings:	-Low / Medium / High
- Net Weight	: 5 kg
- Plate Dimensions	: 80 x 40 mm
- Body Size	: 38 x 34 x 18 cm
- Screen	: Graphical Display: 64x13 mm
- Number of Plates	: 7 Plates
- pH Levels	: pH 7.5 / pH 8.5 / pH 9.5 Alkaline Water pH 6.5 / pH 5.5 / pH 4.5 Acidic Water
- ORP Level	: -50 to -200
- Power Supply	: Standard SMPS
- Input TDS	: Less than 100 TDS

GRAND - 7 PLATES
MRP :1,25,000

- Push Button Control
- Hydrogen-Rich Water
- Antioxidant Properties
- Micro-Clustered Water
- Alkalized Water
- Ionized Water
- Off Button

Specifications

- Input Power	: 230V
- Electrolyzing Power	: 0-300W
- Standby Power	: 24V DC, 3A
- Function Settings:	-Low / Medium / High
- Net Weight	: 5 kg
- Plate Dimensions	: 80 x 40 mm
- Body Size	: 38 x 34 x 18 cm
- Screen	: Graphical Display: 64x13 mm
- Number of Plates	: 7 Plates
- pH Levels	: pH 7.5 / pH 8.5 / pH 9.5 Alkaline Water pH 6.5 / pH 5.5 / pH 4.5 Acidic Water
- ORP Level	: -50 to -200
- Power Supply	: Standard SMPS
- Input TDS	: Less than 100 TDS

DELUXE - 5 PLATES
MRP : 1,10,000

- Push Button Control
- Hydrogen-Rich Water
- Antioxidant Properties
- Micro-Clustered Water
- Alkalized Water
- Ionized Water
- Off Button

Specifications

- Input Power	: 230V
- Electrolyzing Power	: 0-300W
- Standby Power	: 24V DC, 3A
- Function Settings:	-Low / Medium / High
- Net Weight	: 5 kg
- Plate Dimensions	: 80 x 40 mm
- Body Size	: 38 x 34 x 18 cm
- Screen	: Graphical Display: 64x13 mm
- Number of Plates	: 7 Plates
- pH Levels	: pH 7.5 / pH 8.5 / pH 9.5 Alkaline Water pH 6.5 / pH 5.5 / pH 4.5 Acidic Water
- ORP Level	: -50 to -200
- Power Supply	: Standard SMPS
- Input TDS	: Less than 100 TDS

Whole House Water Softner

Doctorguard®

- Hard Water to Soft Water
- Gravity force required
- Water softener without salt & Resin Base
- Easy maintenance
- TDS doesn't alter
- Maintains neutral pH level

Effect of Hard Water

Why use Doctorguard Water Softener cum Water Purifier ?

Drinking water having impurities has harmful effects on your health, it basically is a slow poison. It can cause numerous diseases. Polluted water can put one's stomach and gut health prone to hazardous diseases like Dysentery, diarrhea, jaundice etc.

As per the latest studies and water tests it is clear that there are many dissolved impurities in water. Which when not treated properly cause water brone diseases. These dissolved impurities can be from:

- chemicals, pesticides from industries waste,
- Ground level contamination
- Hard water

All these reasons make it important to treat the water first and drink. So here Doctorguard water solutions comes into picture. Which will remove the impurities, oxygenate and soften the water.

Doctorguard of the leading Water Softener cum Water Purifier

Major Benefits with salt or without salt doctorguard water softener:

1. Improved Water Quality: Doctorguard can be used in water treatment to remove impurities. Clean water is essential for health and growth.
2. Extended Devices Lifespan: Increases the longevity of water-using devices like water heaters.
3. Energy Efficient: Enhances the efficiency of water heaters and reduces energy consumption.
4. Softened Laundry: Keeps clothes soft and prevents fabric damage during washing.
5. Reduced Plumbing Repairs: Lowers the risk of plumbing issues caused by mineral buildup.
6. Maintained Water Pressure: Prevents reduced water pressure due to scale accumulation.
7. Efficient Dishwasher Performance: Improves the effectiveness of dishwashers by preventing scale buildup.
8. Reduced Staining in Bathrooms: Minimizes staining in bathtubs, showers, and toilets.
9. Optimized Water Softness Levels: Allows for customizable water softness based on preferences.
10. Environmental Impact: Doctorguard is an environmentally friendly technology, as it does not leave chemical residues and breaks down into oxygen, and do not waste water.

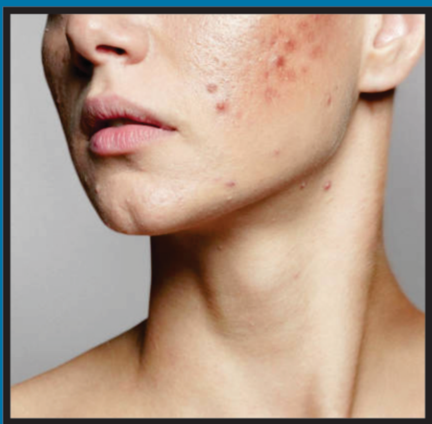

HARD WATER WORRIES? NOT ANYMORE!

Say Goodbye to
Hard Water Problems

Struggling with these problems?

- HARD WATER TAPS
- BAD GEYSER RODS
- ROUGH SKIN
- HAIR FALL
- BLOCKED SHOWER
- PLUMBING REPAIR
- LOW WATER PRESSURE
- ROUGH CLOTHES
- WHITE SPOT ON DISHES
- PLANTS NOT GROWING
- USUALLY OTHER PROBLEM

- COMMERCIAL INDUSTRIAL
- AGRICULTURE
- DOMESTIC USAGE
- HOTEL/RESORTS
- HOUSING
- FOOD BAKERY
- GROUP HOUSING
- SWIMMING POOLS

Doctorguard

COMMERCIAL RO WATER PLANT
250 TO 10,000 LTR / HR

DOCTORGUARD

Your Choice Define You!

Choose The Premium

Marketed By :

Doctorguard Water Solutions Pvt. Ltd.

www.doctorguard.live

Address :

Address : Soho 1015, Block - D, CCC VIP Road, Zirakpur

Customer Care No. +91 94175-66551, 9814940123

Dealer/Distributor